स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान: 19.71 लाख शिविर

स्वास्थ्य / महिला एवं बाल स्वास्थ्य / संघवाद | समाचार संदर्भ: स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान पर लोक सभा उत्तर, 24 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

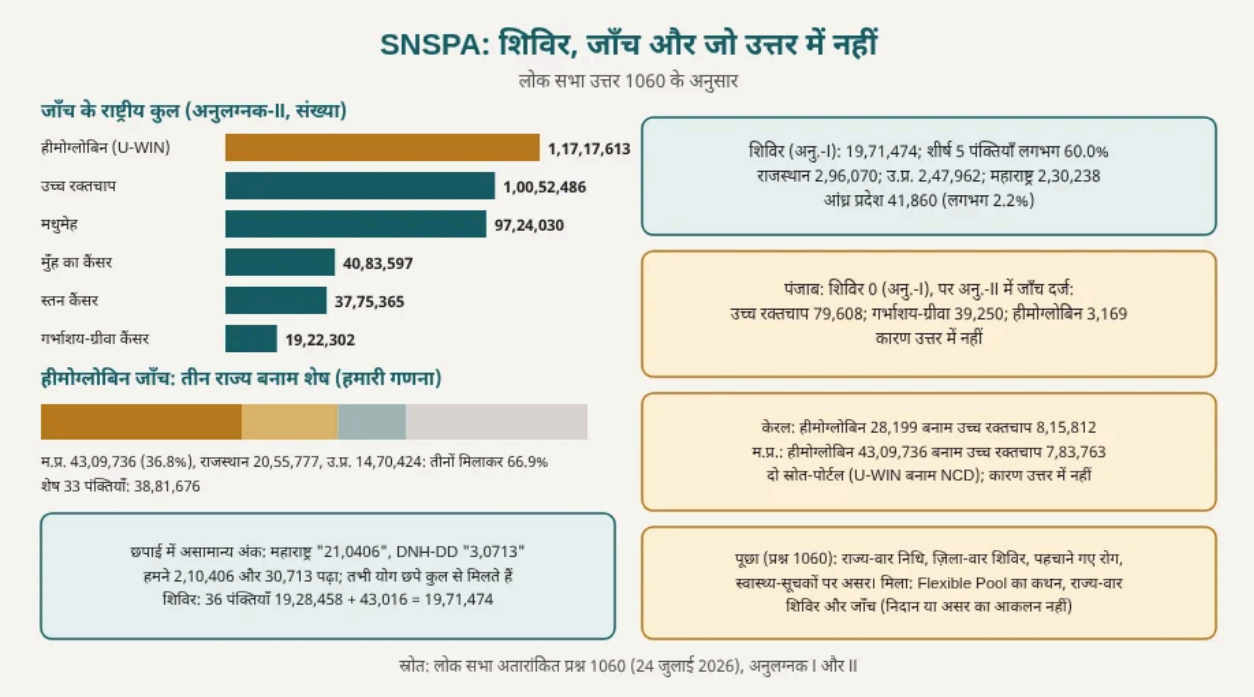
उत्तर के अनुसार “स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान” (SNSPA) 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चला राष्ट्रव्यापी अभियान था, जिसका उद्देश्य जन भागीदारी के साथ महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, गुणवत्ता और जागरूकता बढ़ाना था। उत्तर के अनुसार अभियान में महिलाओं की जाँच (ENT, आँख, दंत), मुँह, स्तन और गर्भाशय-ग्रीवा के कैंसर, एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग और सिकल सेल की स्क्रीनिंग, प्रसवपूर्व जाँच, टीकाकरण, पोषण और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता, रक्तदान और निक्षय मित्र जैसी गतिविधियाँ हुईं।

खबरों में क्यों

24 जुलाई 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री बी. के. पार्थसारथी के लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1060 का उत्तर दिया। प्रश्न में अभियान की गतिविधियाँ (विशेषकर आंध्र प्रदेश में), राज्य-वार जारी और वितरित निधि, राज्य-वार और ज़िला-वार शिविर और सुविधाएँ, जाँचे गए लाभार्थियों और पहचाने गए रोगों की संख्या, और महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य-सूचकों पर अभियान के असर का आकलन पूछा गया था। उत्तर के साथ दो अनुलग्नक हैं।

मुख्य अवधारणा: शिविर, जाँच और निदान अलग गिनतियाँ हैं

उत्तर के अनुसार अभियान में 19.7 लाख “dedicated health camps” लगे और सभी स्वास्थ्य-मंचों पर 11 करोड़ से अधिक की उपस्थिति (“footfall”) रही। अनुलग्नक-II राज्य-वार महिलाओं की जाँच दर्ज करता है: उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुँह, स्तन और गर्भाशय-ग्रीवा के कैंसर और महिलाओं में हीमोग्लोबिन की जाँच। इन्हें “screened” कहा गया है; प्रश्न में पूछे गए “पहचाने गए रोग” (diagnosed) की संख्या उत्तर में नहीं है। स्तंभों के दो समूहों का स्रोत अलग पोर्टल है: उच्च रक्तचाप से गर्भाशय-ग्रीवा तक NCD पोर्टल और हीमोग्लोबिन U-WIN पोर्टल।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

शिविर (अनुलग्नक-I)	**कुल 19,71,474 शिविर: 36 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश पंक्तियों में 19,28,458 और "केंद्र सरकार के संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों और निजी संगठनों" में 43,016। सबसे अधिक: राजस्थान 2,96,070; उत्तर प्रदेश 2,47,962; महाराष्ट्र 2,30,238; मध्य प्रदेश 2,03,767; बिहार 1,79,999। आंध्र प्रदेश 41,860; पंजाब 0।**
जाँच के राष्ट्रीय कुल (अनुलग्नक-II)	उच्च रक्तचाप 1,00,52,486; मधुमेह 97,24,030; मुँह का कैंसर 40,83,597; स्तन कैंसर 37,75,365; गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर 19,22,302; हीमोग्लोबिन 1,17,17,613।
उत्तर के पाठ में "प्रमुख परिणाम"	62.6 लाख प्रसवपूर्व जाँच की उपस्थिति; 1.17 करोड़ हीमोग्लोबिन जाँच; 96.5 लाख किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता पर परामर्श; 1.16 करोड़ को एनीमिया पर परामर्श; 1.43 करोड़ बच्चों का टीकाकरण; 1 करोड़ से अधिक महिलाओं की उच्च रक्तचाप जाँच; मधुमेह 97.24 लाख, मुँह का कैंसर 40.83 लाख, स्तन 37.75 लाख, गर्भाशय-ग्रीवा 19.22 लाख।
आंध्र प्रदेश (अनुलग्नक-II)	उच्च रक्तचाप 5,54,400; मधुमेह 5,28,622; मुँह का कैंसर 3,13,089; स्तन 3,05,892; गर्भाशय-ग्रीवा 1,90,793; हीमोग्लोबिन 1,53,587।
निधि (उत्तर का पाठ)	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को "Flexible Pool" में धन जारी होता है, जिसे वे अपनी ज़रूरत और प्राथमिकता के अनुसार अभियानों में उपयोग करते हैं।

आँकड़ों की जाँच: जो मेल खाता है और जो अनसुलझा है

जो मेल खाता है (हमारी गणना): अनुलग्नक-I की 36 पंक्तियों का योग 19,28,458 है, और उसमें 43,016 जोड़ने पर छपा कुल 19,71,474 ठीक मिलता है। अनुलग्नक-II की 36 पंक्तियों के योग सभी छह स्तंभों में छपे कुलों से ठीक मिलते हैं, और उत्तर

के पाठ के आँकड़े (1 करोड़ से अधिक, 97.24 लाख, 40.83 लाख, 37.75 लाख, 19.22 लाख, 1.17 करोड़) इन्हीं कुलों के अनुरूप हैं।

छपाई में असामान्य अंक (हमारी जाँच): अनुलग्नक-II में दो प्रविष्टियाँ अंक-समूह की छपाई में असामान्य हैं: महाराष्ट्र के गर्भाशय-ग्रीवा स्तंभ में "21,0406" और दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव में "3,0713"। हमने इन्हें 2,10,406 और 30,713 पढ़ा; ऐसा पढ़ने पर ही कुल छपे कुल से ठीक मिलते हैं। यह हमारा पाठ-निर्धारण है, उत्तर में इसका स्पष्टीकरण नहीं है।

जो अनसुलझा है: पंजाब के सामने अनुलग्नक-I में शिविर 0 हैं, जबकि अनुलग्नक-II में पंजाब के लिए सभी स्तंभों में जाँच दर्ज है (उच्च रक्तचाप 79,608; गर्भाशय-ग्रीवा 39,250; हीमोग्लोबिन 3,169); उत्तर इसका कारण नहीं बताता। हीमोग्लोबिन के कुल में मध्य प्रदेश 43,09,736 (कुल का लगभग 36.8%), राजस्थान 20,55,777 और उत्तर प्रदेश 14,70,424 मिलकर लगभग 66.9% हैं, जबकि मध्य प्रदेश में उच्च रक्तचाप की जाँच 7,83,763 है; केरल में हीमोग्लोबिन 28,199 और उच्च रक्तचाप 8,15,812 है। उत्तर इन अंतरों का कारण नहीं देता; दोनों के स्रोत-पोर्टल अलग (NCD बनाम U-WIN) बताए गए हैं।

जो तुलनीय नहीं: हमने आबादी का आधार न होने से प्रति-व्यक्ति दर नहीं निकाली। उत्तर में कुछ "प्रमुख परिणाम" (जैसे 1.43 करोड़ टीकाकरण, 96.5 लाख परामर्श) किसी अनुलग्नक में नहीं हैं, इसलिए हम उन्हें जाँच नहीं सकते। "footfall" और जाँचे गए व्यक्ति एक ही गिनती नहीं हैं।

महत्व: स्क्रीनिंग-आधारित अभियान और परिणाम का सवाल

कैंसर-स्क्रीनिंग का स्वरूप (हमारी गणना): राष्ट्रीय कुल में स्तन कैंसर की जाँच (37,75,365) के मुक़ाबले गर्भाशय-ग्रीवा की जाँच (19,22,302) लगभग 50.9% है, और मुँह का कैंसर (40,83,597) स्तन से लगभग 1.08 गुना। दस प्रविष्टियों में स्तन की जाँच मुँह के कैंसर से अधिक है। उत्तर इन स्वरूपों का कारण नहीं देता।

शिविरों का संकेंद्रण (हमारी गणना): सबसे अधिक शिविरों वाली पाँच पंक्तियाँ (राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार) 36 पंक्तियों के योग का लगभग 60.0% हैं। आंध्र प्रदेश के 41,860 शिविर उस योग का लगभग 2.2% हैं। इन्हें जनसंख्या या जाँच-क्षमता से जोड़ने का आधार उत्तर में नहीं है।

परिणाम बनाम गतिविधि: उत्तर के पाठ के "key outcomes" जाँचों, परामर्श और टीकाकरण की गिनतियाँ हैं; स्वास्थ्य-सूचकों (जैसे एनीमिया का प्रसार, मृत्यु-दर) में बदलाव या निदान और उपचार की संख्या नहीं।

चुनौतियाँ और जो उत्तर में नहीं है

पूछा गया, पर नहीं मिला: प्रश्न (ख): राज्य-वार जारी और वितरित निधि नहीं दी गई; उत्तर केवल कहता है कि NHM के "Flexible Pool" में राज्यों को धन जारी होता है। प्रश्न (ग): ज़िला-वार शिविर (और सुविधाएँ) नहीं दिए गए; केवल राज्य-वार, "as reported by the States and UTs"। प्रश्न (घ): जाँचे गए लाभार्थी और "पहचाने गए रोग" ज़िला-वार माँगे गए थे; अनुलग्नक-II राज्य-वार जाँच देता है, निदान की संख्या नहीं। प्रश्न (ङ): स्वास्थ्य-सूचकों पर असर के आकलन के बारे में उत्तर कहता है "as per the report available" और जाँचों की गिनतियाँ देता है; सूचकों में बदलाव का कोई आकलन नहीं बताता।

अनसुलझे बिंदु: पंजाब में शिविर 0 बनाम जाँच; हीमोग्लोबिन जाँच का असमान वितरण; "footfall", जाँच और व्यक्तियों की गिनती का संबंध; जाँचे गए व्यक्तियों में से कितनों को आगे रेफ़र या इलाज मिला।

जो हमने नहीं पढ़ा: हमने लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1060 का आधिकारिक PDF (उत्तर और दोनों अनुलग्नक) पूरा पढ़ा। अभियान की मार्गदर्शिका, NCD और U-WIN पोर्टल के आँकड़े और किसी स्वतंत्र मूल्यांकन को नहीं पढ़ा गया।

आगे की राह

इसे 24 जुलाई 2026 के उत्तर की दिनांकित सरकारी जानकारी मानें (अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 का है); निधि, निदान और स्वास्थ्य-सूचकों पर असर के लिए पोर्टलों के आँकड़े या आगे के आधिकारिक उत्तर देखने होंगे।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) शिविर, उपस्थिति ("footfall") और जाँचे गए व्यक्ति; (2) जाँच और निदान या उपचार; (3) अलग-अलग स्रोत-पोर्टल (NCD और U-WIN) के आँकड़े; (4) उत्तर के आँकड़े और हमारी गणना।

मेंस दृष्टि

GS-II: स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण की योजनाएँ और केंद्र-राज्य संबंध; GS-I: महिलाओं की स्थिति और स्वास्थ्य।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के सरकारी आँकड़ों से महिलाओं की स्वास्थ्य-स्क्रीनिंग के स्तर और उसके असर के बारे में क्या कहा जा सकता है और क्या नहीं? अभियान के परिणाम (outcome) को आँकने के लिए किन अतिरिक्त आँकड़ों की ज़रूरत होगी?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: अभियान (17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025) और प्रश्न 1060।

मुख्य भाग में: शिविर और जाँच के आँकड़े (19.71 लाख शिविर, छह जाँचों के कुल, उत्तर और अनुलग्नकों के आँकड़े); राज्य-वार संकेंद्रण (हमारी गणना: शीर्ष पाँच राज्यों में लगभग 60.0% शिविर) और असंगतियाँ (पंजाब में शिविर 0, हीमोग्लोबिन का असमान वितरण); स्रोत-पोर्टल का अंतर; गतिविधि बनाम परिणाम; उत्तर में क्या नहीं (निधि, ज़िला-वार, निदान, असर); आवश्यक आँकड़े (रेफ़रल, उपचार, सूचकों में बदलाव)।

निष्कर्ष में: शिविर और जाँच गतिविधि की पहुँच दिखाते हैं, स्वास्थ्य में सुधार का प्रमाण नहीं; अभियान का परिणाम परखने के लिए निदान के बाद रेफ़रल, उपचार और स्वास्थ्य-सूचकों में बदलाव का तुलनीय ब्योरा जोड़ें।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1060 और उत्तर, 24.07.2026 (संसद का आधिकारिक PDF; अनुलग्नक-I और II सहित)

स्रोत: लोक सभा अतारांकित प्रश्न 1060 का आधिकारिक पाठ और अनुलग्नक-I और II पूरे पढ़े गए। अभियान की मार्गदर्शिका और NCD/U-WIN पोर्टल नहीं पढ़े गए।

याद रखें: लोक सभा उत्तर के अनुसार SNSPA (17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025) में 19,71,474 शिविर दर्ज हुए (पंजाब में 0) और 1.17 करोड़ हीमोग्लोबिन जाँच, पर राज्य-वार निधि, ज़िला-वार शिविर, निदान की संख्या और स्वास्थ्य-सूचकों पर असर का आकलन उत्तर में नहीं है।